

खास सूचना: इस लेखमें सूचित हिंदी भाषाका उपयोग किया गया है। यह हिंदी प्रमाणभूत हिंदी नहि है। अधिक जानकारीके लिए देखें: वेब: http://www.sakal.biz/pdf/Hindi_Sudhar8.pdf

सुचीत हिंदी भासामें कुछ वी चार:

1. भासाका महत्व और वीस्वभासाके गुण:

भासा मनुस्यके वी चारोंकी अभी व्यक्तीका प्रमुख माध्यम है। वीस्वभासामें वीभीन्न संस्कृतीयोंके सभी अुच्चारोंका समावेश होना चाही अे।

अुच्चारोंको लीपी में लेखनकी रीत सुनीस्चीत हो जीससे बोली/सुनी बातोंको लीखते वक्त जोडनीकोशकी या शब्दकोशकी आवश्यकता कमसे कम हो।

वीस्वभासाके दरजेके लीअे हींदी भासा प्रबल दावेदार है।

2. हमारी शासन व्यवस्था/जनप्रतीनीधीत्व को बेहतर बनानेके लीअे अीन अुपायों कर सकते है:

2क. बहुपक्षी शासनव्यवस्था हो जीसमें पक्षोंकी संख्या कीतनीभी हो सकती है, सत्ताकी भागबटाअी न कर ली जाय. कीसान, मजदुर, हुन्नरकार से लेकर सभी समुहोंके सभी लोगों अेक न अेक पक्षके सदस्य हो।

बहुपक्षी पध्दतीसे लोकतांत्रिक व्यवस्थाका गठन आसान हो सकेगा. हम यह ध्यानमें रखेंकी जनप्रतीनीधी सेवाके अुद्देश्यसे काम करें और न की धन-संपत्ती या अन्य कीसी लाभ प्राप्त करनेके लीअे।

2ख. मतदानकी आयु 25 साल या ज्यादा।

2ग. जनप्रतीनीधीत्वके लीअे आयु 30 साल या ज्यादा।

2घ. ग्रामस्तर पर प्रतीनीधीकी मुदत 25 सालकी,
तालुकास्तर पर प्रतीनीधीकी मुदत 20 सालकी,
जीलास्तर पर प्रतीनीधीकी मुदत 15 सालकी,
राज्यस्तर पर प्रतीनीधीकी मुदत 10 सालकी

और रास्ट्रीयस्तर पर प्रतीनीधीकी मुदत 5 सालकी हो.

2च. चुनावमें अेकही बार हीस्सा ले सकते है, हारने परभी दुबारा नही.

2छ. प्रतीनीधी अपना हुन्नर/व्यवसाय जारी रख सकना चाहीअे. अुसे प्रतीनीधीत्वके कामके लीअे कोअी भुगतान नही लेना चाहीअे. हालांकी घरसे दुरी पर रहनेके कीस्सेमें केवल खर्च की गअी राशी जीतना ही अतीरीकृत वेतन प्राप्त करनेका हक्कदार है.

2ज. ग्राम प्रतीनीधी 20%(1 दीवस प्रति सप्ताह) अवकाशमें ग्रामस्तर पर गांवका काम करे.

- तालुका प्रतीनीधी 40%(2 दीवस प्रति सप्ताह) अवकाशमें तालुकास्तर पर तालुकेका काम करे.

- जिला प्रतीनीधी 60%(3 दीवस प्रति सप्ताह) अवकाशमें जिलास्तर पर जिलेका काम करे.

- राज्य प्रतीनीधी 80%(4 दीवस प्रति सप्ताह) अवकाशमें राज्यस्तर पर राज्यका काम करे.

- रास्ट्रीय प्रतीनीधी व्यवसाय/नौकरीमेंसे पांच सालके पुरण अवकाशमें रास्ट्रीयस्तर पर काम करे.

3. हींदु-मुस्लीम भाअी चारा:

हींदमें स्वतंत्रतापुर्व अी.स. 1930-35के पहले हींदु-मुस्लीम जैसी कोअी समस्या नही थी. लेकीन मुस्लीमोंके पास संपत्ती कम थी. झीणा साहबने कहाकी आज्ञादीके बाद करोडों मुस्लीमों हींदुओंकी गुलामीमें नही रह सकते. अीस मुद्देके कारण देशका वीभाजन हुआ.

हींद वीस्तारके सभी लोग हींदवासी बनकर रहें तो काफी प्रगती कर सकते हैं.

4. कुछ पारीभासीक शब्दों

कैल्क्युलेटर -> अंकगणक

कम्प्युटर -> गणकयंत्र

भासा शुध्धीसे हमारी भासाका भवीस्य और अुज्ज्वल बनेगा.

*** समाप्त ***

खास सूचना:इस लेखमें सूचित हिंदी भाषाका ऊपयोग किया गया है। यह हिंदी प्रमाणभूत हिंदी नहि है। अधिक जानकारीके लीए देखें: वेब: http://www.sakal.biz/pdf/Hindi_Sudhar8.pdf

लेखक: अजय दयाळजी देसाई , एच-101 श्याम एपार्टमेन्ट, बालाजी कोम्प्लेक्षके पास,

वस्त्रापुर, अहमदाबाद - 380015 INDIA. ईमेल: ajaydesai@ajaydesai.net

वेब: <http://www.sakal.biz>

तारीख: 2010-2011, 2012: 07/01, 28/01, 04/02, 03/03, 24/03, 29/04.

<http://www.sakal.biz/pdf/Hindi3.pdf>